भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 35 का उत्तर

दिल्ली-शामली-सहारनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण

***35. सुश्री इकरा चौधरी:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का दिल्ली-शामली-सहारनपुर रेलवे लाइन के दोहरीकरण का इरादा है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे कार्य को पूरा करने की समय-सीमा और उसके लिए अनुमानित बजट क्या है;

(ग) क्या सरकार का उक्त मार्ग पर एक्सप्रेस रेलगाड़ियां शुरू करने का इरादा है;

(घ) यदि हां, तो इसके लिए अपेक्षित समय-सीमा क्या है;

(ङ) क्या सरकार की शामली स्टेशन पर और अधिक रेलगाड़ियों के ठहराव की योजना है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिल्ली-शामली-सहारनपुर रेल लाइन के दोहरीकरण के संबंध में दिनांक 27.11.2024 को लोक सभा में सुश्री इकरा चौधरी के तारांकित प्रश्न सं. 35 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): दिल्ली-शामली-सहारनपुर खंड भारतीय रेल का एक महत्वपूर्ण खंड है। रेलवे ने इस खंड में यात्रियों के अनुभव, गाड़ी परिचालन की संरक्षा, सड़क उपयोगकर्ताओं की गतिशीलता आदि में सुधार लाने के लिए विभिन्न कार्य किए हैं। इनमें से किए गए कुछ कार्य निम्नानुसार हैं:

i. **पिछले 10 वर्षों के दौरान, इस खंड में गाड़ी परिचालन की संरक्षा और सड़क उपयोगकर्ताओं की गतिशीलता में सुधार लाने के लिए 107 ऊपरी/निचले सड़क पुल प्रदान किए गए हैं। वर्तमान में, इस खंड में 11 ऊपरी/निचले सड़क पुलों का कार्य शुरू किया गया है।**

ii. **अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शामली रेलवे स्टेशन को विकास के लिए चिह्नित किया गया है। इस स्टेशन पर स्टेशन भवन, प्लेटफार्म शेल्टर, ऊपरी पैदल पुल आदि के सुधार कार्य शुरू किए गए हैं।**

iii. **इस खंड के अन्य स्टेशनों (नोली, खेकड़ा, बागपत, बड़ौत, कासिमपुर खेरी, कांधला, हिंद, थानाभवन, रामपुर और मनानी स्टेशनों) पर यात्री सुविधाओं में भी सुधार संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं, जिनमें स्टेशन इमारतों और परिचलन क्षेत्र का सुधार शामिल है। तीन स्टेशनों पर ऊपरी पैदल पुल को कवर करने की व्यवस्था की गई है और 8 क्रॉसिंग स्टेशनों एवं 18 हॉल्ट स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई को बढ़ाया गया है।**

iv. **क्षमता संवर्धन कार्य शुरू किए गए हैं और खंड की गति 100 कि.मी. प्रति घंटे से बढ़ाकर 110 कि.मी. प्रति घंटे कर दी गई है। लूप लाइनों की गति भी 15 कि.मी. प्रति घंटे से बढ़ाकर 30 कि.मी. प्रति घंटे कर दी गई है। इन कार्यों से खंड की क्षमता में वृद्धि हुई है।**

v. **अतिक्रमण को रोकने और रेल परिचालन की संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्थानों पर लगभग 6 किलोमीटर की चहारदीवारी बनाई गई है।**

वर्तमान में, दिल्ली-शामली खंड को 12 जोड़ी गाड़ियों द्वारा सेवित किया जा रहा है, जबकि शामली के रास्ते दिल्ली-सहारनपुर खंड, को 07 जोड़ी गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है। इसके अलावा, शामली स्टेशन से गुजरने वाली सभी 12 जोड़ी गाड़ियों का शामली में ठहराव निर्धारित किया गया है। मौजूदा दिल्ली-शामली-सहारनपुर लाइन की लाइन क्षमता उपयोगिता 80% से कम है।

रेल परियोजनाओं को मंजूरी देना भारतीय रेल की एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है। रेल अवसंरचना परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता, छूटी हुई कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं की देनदारियों, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

****